ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ -5

गूदड़ साँईं

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

मौखिक

- कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) मोहन पिता की नज़र बचाकर साँईं को क्या लाकर देता था?

(ख) साँईं को देखकर मोहन के पिता क्यों चिढ़ते थे?

(ग) साँईं ने मोहन की गली में आना क्यों छोड़ा?

(घ) लड़का क्या खींचकर भागा?

(ङ) साँईं क्यों रो पड़ा?

. (क) मोहन पिता की नज़र बचाकर रोटियाँ लाकर देता था।

(ख) साँईं को देखकर मोहन के पिता जी चिढ़ते थे क्योंकि वे साँईं को ढोंगी मानते थे।

(ग) साँईं ने मोहन की गली में आना छोड़ दिया क्योंकि उसके पिता साँईं के पास जाने पर उसे डाँटते थे।

(घ) लड़का साँईं का गूदड़ खींचकर भागा।

(ङ) साँईं लड़के को रोता हुआ देखकर रो पड़े क्योंकि वह लड़के को भगवान स्वरूप मानते थे।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

लिखित

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) साँईं धनी था, ………स्नेह……… से भरा था।

(ख) मोहन के पिता को सभी फकीर ………ढोंगी……… लगते थे।

(ग) तुम आकर ………रोटी……… ले जाया करो।

(घ) साँईं ………खिझाने……… के लिए गूदड़ लेकर भागा था।

(ङ) चिथड़ों पर ………भगवान……… ही दया करते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

2. निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ सहित आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) "अच्छा, कल ज़रूर आना, भूलना मत।"

(ख) "मत मारो, मत मारो, बच्चे को कहीं चोट लग जाएगी।"

(ग) "गूदड़ साँईं! तुम निरे गूदड़ नहीं, गुदड़ी के लाल हो।"

(क) **"अच्छा, कल ज़रूर आना, भूलना मत।"**

आशय स्पष्टीकरण–यह वाक्य मोहन तथा गूदड़ साँईं के बीच प्रेम को व्यक्त करता है। एक दिन जब साँईं के सामने मोहन के पिता ने उसे डाँटा तो उसी दिन से गूदड़ साँईं ने मोहन की गली में आना ही छोड़ दिया। कुछ दिनों के बाद जब मोहन को साँईं दिखाई दिए और मोहन ने उनके न आने का कारण जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि तुम्हारे बाबा बिगड़ते हैं इसलिए मैं नहीं आता। इस बात को सुनकर मोहन ने कहा कि, "अच्छा, कल ज़रूर आना भूलना मत। इससे यह स्पष्ट होता है प्रेम भावना में उम्र का कोई विशेष महत्त्व नहीं होता।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow